MT - 115

2015 1100

MT - 115 - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - I

Time : 2 Hours **Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

	सूचना : शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।	
उ.1.	**अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :**	
1)	वह **किलकारी** मारता हुआ उछलता चला जा रहा था।	**1**
2)	भारतीय रेलसफर जो आज **जेलसफर** बना हुआ है।	**1**
3)	प्रत्येक व्यापारी ने कुलपुत्र को एक **सहस्र** मुद्राएँ दीं।	**1**
	आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित पाठों के आधार पर एक - एक वाक्य में लिखिए :	
1)	बालक हँसता-हँसता धरती पर साँप के डँसने से लोट गया।	**1**
2)	बराबर वाली क्लास में हो रहे शोर का मानीटर ने यह कारण बताया कि 'पंडित जी क्लास में नहीं हैं।'	**1**
3)	मदर टेरेसा का जन्म सन 1910 में युगोस्लाविया के स्कोप्य नगर में हुआ था।	**1**
4)	पहाड़गंज अपने छोले-भटूरे के लिए दुनियाभर में मशहूर है।	**1**
5)	राजा प्रजा का पालन धर्म और न्याय के साथ करता था।	**1**
	इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग (पचास - साठ) शब्दों में लिखिए :	
1)	सुप्रसिद्ध लेखक 'लक्ष्मीचंद्र गुप्त' जी ने 'मुहावरे और मुंशी जी की सनक' पाठ में हास्य और व्यंग्यात्मक शैली में मुहावरों के अर्थपूर्ण उपयोग पर प्रकाश डाला है। मानीटर ने जब मुंशी जी को बताया कि पास वाली कक्षा के लड़कों ने आसमान अपने सिर पर उठा रखा है तो इसमें 'अपने' शब्द पर मुंशी जी को बड़ी आपत्ति हुई। उन्होंने मानीटर को डपटते हुए कहा कि मुहावरे में 'अपना' शब्द उसके द्वारा जोड़ने से मुहावरे की ऐसी - तैसी हो गई है। अब इस मुहावरे का मतलब 'शोर मचाना' नहीं होगा। मुंशी जी ने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि मुहावरे में अपनी तरफ से कोई भी शब्द जोड़ना, उसके शब्दों में जरा - सा भी हेर-फेर करना या उनका क्रम बदलना या उसके किसी शब्द के स्थान पर उसका पर्यायवाची शब्द रख देना, वास्तव में असली मुहावरे की हत्या कर देने जैसा है। इस प्रकार 'आसमान अपने सिर पर उठा रखा है' मुहावरे का गलत प्रयोग सुनकर मुंशी जी ने मुहावरे में शब्दों के महत्व का स्पष्टीकरण दिया।	**3**

2)	सुप्रसिद्ध लेखक 'पृथ्वीनाथ पांडेय' जी ने 'मदर टेरेसा' पाठ में मदर टेरेसा जी के सेवाभाव और त्याग का परिचय अत्यंत सुंदर ढंग से करवाया है। मदर टेरेसा गर्भपात जैसे अमानवीय कार्यों की प्रबल विरोधी थीं। संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित एक प्रार्थना सभा में उन्होंने गर्भपात को निंदनीय अपराध बताया। उन्होंने इस बारे में कहा कि यदि किसी माँ को अपने बच्चे की हत्या करने की अनुमति है तो फिर किसी को भी हत्या के लिए रोका ही नहीं जा सकेगा। गर्भपात को अनुमति देनेवाले देश प्यार का सबक सिखाने की बजाय हिंसा करने की छूट दे रहे हैं। सन् 1994 में अमेरिका ने गर्भपात को प्रोत्साहन दिया तब मदर टेरेसा ने उसकी घोर निंदा की थीं। इस प्रकार मदर टेरेसा ने देश - विदेश में अमानवीय कार्यों का खुलेआम विरोध किया।	**3**
3)	सुप्रसिद्ध लेखक 'शंकर पुणतांबेकर' जी ने 'एक रेल सफर की बात' पाठ में भारतीय रेल यात्रा में होने वाली असुविधाओं पर करारा व्यंग्यकिया है। दिल्ली-यात्रा के दिन लेखक अपनी पत्नी के साथ घंटे भर पहले ही स्टेशन पर पहुँच गया। वहाँ पर की जा रही घोषणाओं के अनुसार गाड़ी नियमित समय पर ही थी परंतु एक यात्री ने कहा कि गाड़ी समय पर होने का अर्थ है कि वह अवश्य कम -से-कम एक घंटे की देरी से ही आएँगी। रेलवे की घोषणाएँ इसी तरह काल्पनिक और अविश्वसनीय होती ही हैं। सचमुच उस दिन गाड़ी पूरे चार घंटे बाद ही आई। इस दौरान प्लेटफॉर्म पर लगे ऊँची-ऊँची चीजों के आकर्षक विज्ञापन देखकर लेखक बोर हो गया था। वे विज्ञापन उसे अव्वल दर्जे के जेब -कतरों के समान लग रहे थे। गाड़ी आने पर लेखक और उसकी पत्नी अपनी आरक्षित सीट पर बैठ पाए। इस प्रकार रेल सफर में लेखक को दिल्ली पहुँच जाने की अनुभूति हुई।	**3**
4)	सुप्रसिद्ध लेखक 'विजय अग्रवाल' जी ने 'राष्ट्रीय एकता' पाठ में देश की 'विविधता में एकता' के भाव को दर्शाया है। भारत पर शक, हूण, कुषाण, तुर्क, पठान, अफगान, मुगल, ईसाई आदि हमलावरों द्वारा समय - समय पर आक्रमण किए गए। इन विदेशियों के साथ उनकी संस्कृतियाँ भी भारतीय संस्कृति के संपर्क में आई। अपने लचीलेपन के कारण भारतीय संस्कृति ने सभी को अपने यहाँ जगह दी और उन्हें रचने - बसने का अवसर दिया। इसलिए इसकी समकालीन अन्य संस्कृतियाँ अपने संकीर्ण (छोटे) दृष्टिकोण के कारण नष्ट - भ्रष्ट हो गई जबकि भारतीय संस्कृति अपनी सहनशीलता के कारण शाश्वत बनी हुई है। इस प्रकार भारतीय संस्कृति में लचीलेपन का यह लाभ हुआ कि प्राचीनतम संस्कृति होने के बावजूद यह अत्यंत आधुनिक बनी हुई है।	**3**
उ.**2**.	**अ) निम्नलिखित पद्य - पंक्तियों में दिए विकल्पों को चुनकर पद्य - पंक्ति फिर से लिखिए :**	
1)	तुम खोल नहीं पाओगे मानव के **बंधन**।	**1**
2)	सौ - सौ **इंद्रधनुष** निकले हों।	**1**

आ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :**

1) काम, क्रोध पर विजय पानेवाले मानव के घट (शरीर) में ब्रह्म रहता है। **1**

2) कोकिल के रंग के लिए श्रीकृष्ण और जामुन के रंग की उपमा दी गई है। **1**

3) घर - घर उड़नेवाले तिरंगे सैकड़ों इंद्रधनुष के समान लगते हैं। **1**

इ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग (पचास - साठ) शब्दों में लिखिए :**

1) संतकवि 'नानकदेव' जी ने 'संतवाणी' कविता में मानवजीवन में निरपेक्षता का महत्त्व तथा झूठ-मूठ का प्रेम करने वाले झूठे लोगों का वर्णन किया है। **3**

नानक जी जग की प्रीत को झूठा मानते हैं। नानक जी के अनुसार जग में सभी लोग अपने ही सुख के पीछे लगे रहते हैं। चाहे कोई रिश्तेदार हो, पत्नी या मित्र, सभी अपनेपन और मित्रता का झूठा दिखावा करते हैं। असल बात यह है कि वे सभी अपना ही फायदा सभी बातों में ढूँढते रहते हैं। जब हमारे जीवन में कोई संकट आता है, कोई भी रिश्तेदार या मित्र मदद का हाथ नहीं बढ़ाता, सभी झूठे बहाने बनाते हैं। इसके बावजूद हमारा मन चंचल होता है, मूर्ख होता है। मानव मन इस कड़वे सच को समझता ही नहीं बल्कि झूठे प्रेम में उलझता ही रहता है और अंत में उसे सच्ची प्रीत हासिल नहीं होती।

इस प्रकार संतकवि नानक जी ने झूठी प्रीत से दूर रहने के लिए सलाह दी है क्योंकि जग की झूठी प्रीत छोड़कर, सच्चे प्रेम और सुख के लिए प्रभु गीतों में लीन होकर, उसमें अपने हृदय को डूबोकर इस संसार रूपी भवसागर को पार करने में सफलता मिल सकती है।

2) सुप्रसिद्ध कवि 'सुमित्रानंदन पंत' जी ने 'बापू' कविता में सामाजिक चेतना से प्रेरित होकर मानव जीवन के बिखरे हुए रूप को प्रस्तुत किया है। **3**

वर्तमान युग में विज्ञान का कल्पना से परे विकास हुआ है। विज्ञान के ज्ञान से मानव ने अपनी सभी सुख-सुविधाओं को पूरा करने के लिए तरह-तरह के असंख्य उपकरणों का निर्माण कर लिया है। आधुनिक मानव को अपनी सुख-सुविधाओं का उपभोग करने के लिए विज्ञान द्वारा किसी भी तरह की शिकायत का मौका नहीं मिलेगा। दुर्भाग्यवश मानव विज्ञान की इस तरक्की के साथ ताल-मेल नहीं बैठा पा रहा है। विज्ञान की इन उपलब्धियों ने मानव को घमंडी बना दिया है। मानव के हृदय में उदारता, मानवता ने अपनी जगह खो दी है। भौतिकता के नशे में चूर मनुष्य की आत्मा दूषित हो चुकी है इसलिए संपन्न लोगों ने निर्धनों पर अत्याचार करना शुरू कर दिया है। विज्ञान के विनाशकारी साधनों ने मानव की सुख- शांति नष्ट कर दी है।

इस प्रकार भौतिक सुख सुविधा होने पर भी मानव पीड़ित है क्योंकि इस भौतिकता में मानवता के लिए कोई जगह नहीं बच पाई है।

3)	सुप्रसिद्ध कवि 'महावीर प्रसाद द्विवेदी' जी ने 'कोकिल' कविता में पक्षीजगत की एक आकर्षक पक्षी कोयल का वर्णन किया है । कुदरत हमारे देश में नए - नए अवतार लेती रहती है। वर्ष के सभी महीनों में प्रकृति अपने नए रंग - रूप का उपहार लेकर आती रहती है। चैत के महीने में जाड़े का मौसम समाप्त हो जाता है। उस महीने में सुहानी हवाएँ बहने लगती हैं। आम के पेड़ों पर बौर आने शुरू हो जाते हैं, जिनकी खुशबू से पूरा वातावरण महकने लगता है। हर तरफ वसंत ऋतु की रौनक छा जाती है। ऐसे ही समय में आम को पेड़ों से कोकिल की मधुर वाणी गूँजने लगती है। वंशी की धुन के समान कोयल की मनमोहक तान पूरे वातावरण को संगीतमय कर देती है। इस प्रकार चैत मास में बड़े-बड़े मनभावन परिवर्तन होते हैं।	**3**
4)	सुप्रसिद्ध कवयित्री 'संयुक्ता लूदरा' जी ने 'नदी हूँ मैं' कविता में नदी के अखंड और अथक प्रवाह का वर्णन किया है। नदी को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना अपने उद्गम (पर्वत और झील) से गुजरने के बाद ही करना पड़ता है। नदी को बड़ी-बड़ी चट्टानों से टकराकर अपनी राह बनाते हुए आगे बढ़ना होता है। घाटियों और बीहड़ों से होकर गुजरने के पश्चात ही उसे मैदानी इलाकों में शांतिपूर्वक बहते रहने का मौका मिल पाता है। मानव जीवन भी नदी के समान ही है। हमारे जीवन में भी नित-नई परेशानियों रूपी पत्थर आते रहते हैं। हमें इन परेशानियों से आतंकित होकर अपने हौसलों को कभी-भी टूटने नहीं देना चाहिए। ऐसा करके ही हम कामयाबी रूपी हरे-भरे मैदानों तक पहुँच पाएँगे। इस प्रकार बड़े - बड़े पत्थरों को तोड़ते हुए आगे बढ़ती हुई नदी से हमें हिम्मत न हारने की सीख मिलती है।	**3**
उ.**3.**	**अ) i) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य के रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्दभेद लिखिए :**	
1)	**वह** - सर्वनाम।	**1**
2)	**वाराणसी** - संज्ञा।	**1**
	अ) ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> अविकारी (अव्यय) शब्द का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए :	
1)	वह सदा की <u>भाँति</u> प्रशस्त और भयानक था।	**1**
2)	मैं <u>सदैव</u> आपका आभारी रहूँगा।	**1**

	आ) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार कालपरिवर्तन कीजिए :**	
1)	भारतीय संस्कृति का गुलदस्ता स्नेह की डोरी में **बँधा होगा।**	**1**
2)	राजा ब्रह्मदत्त का रथ **गया था।**	**1**
3)	कोलकाता उनका कार्यक्षेत्र **बना।**	**1**
	अथवा	
	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के कालभेद पहचानिए :	
1)	अपूर्ण भूतकाल।	**1**
2)	सामान्य वर्तमानकाल।	**1**
3)	अपूर्ण वर्तमानकाल।	**1**
	इ) **i) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को शुद्ध कीजिए :**	
1)	पहले तो <u>उसने</u> इधर-उधर फन <u>मारे</u>।	**1**
2)	प्लेटफार्म पर <u>चीजों के</u> विज्ञापन <u>लगे हुए थे।</u>	**1**
	इ) **ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द को शुद्धाक्षरी या हिंदी की मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए :**	
1)	**गुमसुम** - गुम - सुम	**1**
2)	**भेद - भाव** - भेदभाव	**1**
	ई) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं दो</u> मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए :**	
1)	**चिराग गुल होना** – पुत्र की मृत्यु होना। **वाक्य** : तालाब में डूबने से केशव के घर का **<u>चिराग ही गुल हो गया।</u>**	**1**
2)	**मुहाल हो जाना** – मुश्किल में पड़ जाना। **वाक्य** : उत्तराखंड में अधिक बारिश होने से बाढ़ में फँसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना **<u>मुहाल हो गया।</u>**	**1**
3)	**अभिभूत हो उठना** – प्रभावित होना। **वाक्य** : आचार्य जी की बातों से सभी छात्र **<u>अभिभूत हो उठे।</u>**	**1**
4)	**घुल - मिल जाना** – एकरूप होना। **वाक्य** : भारतीय संस्कृति में सभी धर्मों के लोग **<u>घुल - मिल जाते हैं।</u>**	**1**

उ.**4**.	**निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर रोचक एवं मुहावरेदार भाषा में लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए :**	
1)	Refer masterkey - page no. 100 Q. 38	**6**
2)	Refer masterkey - page no. 81 Q. 8	**6**
3)	Refer masterkey - page no. 100 Q. 37	**6**
4)	Refer masterkey - page no. 91 Q. 23	**6**
उ.**5**.	**निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :**	
1)	Refer masterkey - page no. 107 Q. 1	**4**
2)	Refer masterkey - page no. 111 Q. 10	**4**
	अथवा	
	निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :	
1)	स्वामी श्रद्धानंद कौन थे?	**1**
2)	गुरुकुल काँगड़ी के बारे में अंग्रेजों की क्या मान्यता थी?	**1**
3)	गुरुकुल कांगड़ी के स्नातकों की क्या विशेषता थी?	**1**
4)	स्वाधीनता से चालीस साल पहले स्वामी श्रद्धानंद ने क्या साबित कर दिया था?	**1**

❖❖❖❖